पद्म पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

बिहार से सात लोगों को प्रतिष्ठित **पद्म पुरस्कारों के लिये चयनित किया गया,** जिनमें प्रख्यात **गायिका शारदा सिन्हा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी** और प्रख्यात **सामाजिक कार्यकर्त्ता आचार्य किशोर कुणाल शामिल हैं।**

मुख्य बिंदु

- **विजेताओं की घोषणा:**
  - केंद्र सरकार ने **गणतंत्र दिवस** की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की।
  - **देश भर से कुल 139 लोगों** को विभिन्न श्रेणियों में **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों के लिये चुना** गया।
- **पद्म विभूषण पुरस्कार:**
  - **'बिहार कोकिला'** के नाम से प्रसिद्ध गायिका **शारदा सिन्हा को उनकी असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये** मरणोपरांत सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा।**
- **पद्म भूषण पुरस्कार:**
  - बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री **सुशील कुमार मोदी को सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में मरणोपरांत पद्म भूषण के लिये चुना गया है।**
  - देशभर में पद्म भूषण पाने वाले 19 लोगों में वे बिहार से एकमात्र व्यक्ति हैं।
- **पद्म श्री पुरस्कार:**
  - प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता और **महावीर संस्थान के संस्थापक किशोर कुणाल को पद्मश्री पुरस्कार** प्रदान किया जाएगा।
  - **बिहार से पद्मश्री प्राप्त करने वाले अन्य लोगों में शामिल हैं:**
  - सामाजिक कार्य में **भीम सिंह भावेश,**
  - **हेमंत कुमार को** चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिये,
  - कला क्षेत्र में योगदान के लिये **निर्मला देवी,**
  - आध्यात्म में **विजय नित्यानंद सूरीश्वर जी महाराज।**

//

नागरिक एवं वीरता पुरस्कार (Civilian and Gallantry Awards)

नागरिक पुरस्कार

भारत रत्न:

- भारत का **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार; वर्ष 1954** में स्थापित
- मानव सेवा के किसी भी क्षेत्र में असाधारण सेवा/उच्चतम क्रम के प्रदर्शन हेतु सम्मानित
- इस पुरस्कार में प्रमाण-पत्र और पदक शामिल हैं **(कोई मौद्रिक अनुदान नहीं)**
- **प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति को** अनुशंसित
- **एक वर्ष में अधिकतम तीन व्यक्तियों को ही** दिया जा सकता है

पद्म पुरस्कार:

- **वर्ष 1954** में स्थापित; घोषणा- प्रत्येक वर्ष **गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या** पर
- **सार्वजनिक सेवा** से जुड़े सभी क्षेत्रों/विषयों में उपलब्धियों को मान्यता दी जाती है
- **श्रेणियाँ: पद्म विभूषण > पद्म भूषण > पद्म श्री**
- **पद्म पुरस्कार समिति** (प्रधानमंत्री द्वारा प्रत्येक वर्ष गठित) द्वारा अनुशंसित
- **दो बार निलंबित** - वर्ष 1978-79 और वर्ष 1993-97
- एक वर्ष में पुरस्कारों की अधिकतम संख्या - 120

वीरता पुरस्कार

- **युद्धकालीन** वीरता पुरस्कार की स्थापना **26 जनवरी, 1950** को हुई
- **शांतिकालीन** वीरता की स्थापना **4 जनवरी, 1952** को की गई
- **घोषणा वर्ष में दो बार - गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस**
- **वरीयता क्रम - परमवीर** चक्र > **अशोक** चक्र > **महावीर** चक्र > **कीर्ति** चक्र > **वीर** चक्र > **शौर्य** चक्र

- **पात्रता:**
  - » पात्रता- सभी रैंकों के सभी अधिकारी **(सेना, नौसेना, भारतीय वायुसेना), टेरिटोरियल बल, प्रादेशिक सेना**
  - » उपरोक्त किसी भी बल के अंतर्गत **नर्सिंग सेवाएँ प्रदान करने वाले व्यक्ति**

दृष्टि The Vision | d Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/padma-awards-2025